हिन्दुस्तान, सोमवार 9 नवम्बर 2009, बरेली

वसीम को अली सरदार जाफरी अवार्ड

अमेरिका में 'जश्ने वसीम बरेलवी', कई शहरों में हुए मुशायरे

वरिष्ठ संवददाता बरेली

अमेरिका के शहर ह्यूस्टन में छह नवंबर की शाम हुए 'जश्ने वसीम बरेलवी' प्रो. वसीम को में उर्दू साहित्य में उनके योगदान के लिए 'अली सरदार जाफरी लिटरेरी अवार्ड' से नवाजा गया। इस मौके पर पाकिस्तान के मशहूर शायर अब्बास ताबिश ने कहा कि प्रो. वसीम बरेलवी की शख्सियत उनकी शायरी की तरह ही खूबसूरत है। दो साल पहले इसी शहर में उन्हें मानद नागरिकता दी गई थी।

आस्टिम स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास के मुख्य अतिथि प्रो. अकबर हैदर ने उन्हें अवार्ड के तौर पर एक लाख रुपये का चेक प्रदान किया।

कार्यक्रम के संयोजक परवेज जाफरी ने कहा कि वसीम बरेलवी के आसान लफ्जों में लिखी गई गजलें आम आदमी के दिल को छूती हैं। यही उनकी मकबूलियत का राज है। अपनी सादगी और सच्चाई की वजह से वह आज बुलंदियों पर हैं। भारतीय शायर मेराज फैजाबादी ने उनके उर्दू शायरी में योगदान के बारे में बताया। प्रो. वसीम बरेलवी ने कहा कि आज दुनिया में हर तरफ आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्रों में अशांति है। ऐसे माहौल में पश्चिमी देशों के विश्वविद्यालयों के उर्दू पाठ्यक्रम में ऐसी शायरी को शामिल किया जाना चाहिए जो छात्रों में मानवीयता और आशावाद पैदा कर सकें।

ह्यूस्टन के अमेरिकन कम्यूनिटी सेंटर में हुए जश्ने वसीम बरेलवी में भारतीय और पाकिस्तानी मूल के तमाम लोग मौजूद थे।

इसमें प्रो. बरेलवी के साथ ही ताहिर फराज, मेराज फैजाबादी, पाकिस्तान के अब्बास ताबिश, अमेरिका के डॉ. नौशा असरार, जमीन जाफरी, सरफराज आबाद, हुमैरा रहमान, इशरत आफरीन और डॉ. शगुफ्ता रियाज ने कलाम पढ़े।

वसीम बरेलवी ने मैक्स और शान अली खान को 'असरारुल हक मजाज' अवार्ड से नवाजा। इसका आयोजन अलीगढ़ एल्यूमनाई एसोसिएशन आफ टेक्सास ने किया। इसके अध्यक्ष लताफत हुसैन ने सभी का स्वागत किया। अध्यक्षता प्रो. बरेलवी ने की।